पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सारा ने बर्फबारी के बीच टेंट में बिताई रात

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 39 ■ बुधवार 15 अप्रैल 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

सीमेंट मिक्सर चालक गिरफ्तार

■ 11 लोगों की हो गई थी मौत

कल्याण. कल्याण मुरबाड रोड पर उल्हास नदी पर नए बने पुल पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद पुलिस ने सीमेंट मिक्सर ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे में एक ओवरलोडेड वैन से टक्कर के कारण 11 लोगों की मौत हो गई थी। घटना ने अवैध और अनाधिकृत यात्री परिवहन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

■ **कैसे हुआ हादसा?**

पुलिस के मुताबिक, मुंबई निवासी 26 वर्षीय चालक कमलेश यादव को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा उल्हास नदी पर बने नए पुल पर हुआ, जहां वैन और सीमेंट मिक्सर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि दुर्घटनाग्रस्त वैन की अधिकृत क्षमता केवल छह यात्रियों की थी, लेकिन उसमें 11 लोग सवार थे। सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, वैन टैक्सी सेवाएं इलाके में अवैध रूप से संचालित होती हैं, जो एक तरफा यात्रा के लिए प्रति सीट 70 रुपये से 100 रुपये तक शुल्क लेती हैं और अक्सर अनुमत संख्या से दोगुने यात्रियों को ले जाती हैं।

20 अप्रैल को मनपा सभापति चुनाव

■ मनपा की तिजोरी पाने हेतु शिवसेना सदस्यों में रस्साकशी

■ 15 अप्रैल से नामांकन भरे जाएंगे

■ राजेंद्र सिंह भुल्लर, जया प्रकाश माखीजा व बिट्टू सिंह दावेदार

■ विशेष समितियों के सभापति हेतु भाजपा-शिवसेना में जंग

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका में जरूरी स्थायी समितियों और 9 विशेष समितियों के चेयरमैन पद के लिए आखिरकार बिगुल बज ही गया है। ये चुनाव 20 अप्रैल को होंगे और इसके लिए 15 अप्रैल को नामांकन भरे जाएंगे। पूरे शहर की नजर इस बात पर है कि राज्य में एक साथ आई BJP और शिवसेना अब मनपा में पावर का बंटवारा कैसे करेंगी।

शिवसेना के किस सदस्य को मिलेगी चॉबी

उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने के बाद, BJP और शिवसेना पावर के लिए एक साथ आ गई हैं। अभी महापौर का पद शिवसेना (टीओके) के अश्विनी निकम के पास है, जबकि डिप्टी मेयर का पद BJP के पास है। हालांकि, दोनों पार्टियों ने स्टैंडिंग कमिटी चेयरमैन पद के लिए अपनी दावेदारी की है, जिसे खजाने की चाबी माना जाता है। एक दुविधा यह खड़ी हो गई है कि 16 सदस्यों वाली स्टैंडिंग कमेटी में BJP और शिवसेना दोनों के 8-8 सदस्य हैं। भाजपा ने साफ किया है कि स्थायी समिति सभापति पद शिवसेना को देंगे जिसमें दिलीप गायकवाड़, जमनू पुरस्वानी, महेश सुखरामानी, राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, जया प्रकाश माखीजा, बिट्टू सिंह सहोता, डिम्पल कुमारी ठाकुर, वंचित के विकास खरात का नाम है। इनमें से भुल्लर महाराज, बिंटू सिंह और जया प्रकाश माखीजा का नाम सभापति पद के लिए चल रहा है।

16 सदस्यों की स्थायी समिति में भाजपा-शिवसेना के 8-8 सदस्य

शिवसेना	भाजपा
राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज	राजेश वधरिया
जया प्रकाश माखीजा	अर्चना करनकाले
कलवंत सिंह सहोता	कविता लाल पंजाबी
दिलीप गायकवाड	रवि जग्यासी
जमनू पुरस्वानी	टोनी सीरवानी
महेश सुखरामानी	राजेश वानखेडे
डिम्पल कुमारी ठाकुर	शेरी लुंड
विकास खरात (वंचित आघाडी)	संजय सिंह

सभापति पद के लिए चुनाव प्रक्रिया

सभापति पद के लिए नामांकन 15 अप्रैल को दोपहर 3 से 5 बजे तक फाइल किए जाएंगे। चुनाव सोमवार, 20 अप्रैल को दोपहर 12 बजे होंगे। 20 अप्रैल को पीठासीन अधिकारी आवेदनों की जांच करेंगे। उसके बाद, आवेदन वापस लेने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा और फिर असली वोटिंग या घोषणा की जाएगी।

निर्विरोध चुनाव के संकेत

चूंकि BJP और शिवसेना सत्ता में पार्टनर हैं, इसलिए ऐसे संकेत हैं कि यह चुनाव डायरेक्ट वोटिंग के बजाय आम सहमति से और निर्विरोध होगा। इसके लिए, दोनों पार्टियों के सीनियर नेताओं के बीच जल्द ही एक महत्वपूर्ण बैठक होगी।

सिर्फ बड़ी पार्टियां ही नहीं, बल्कि शिवसेना के साथ आने वाली वंचित बहुजन अघाड़ी, RPI और साईं पक्ष को भी एक-एक अहम चेयरमैन पद मिलने की उम्मीद है। कई पार्षदों ने अपने खेमे में चेयरमैन पद जीतने के लिए सीनियर नेताओं को 'फील्डिंग' करना शुरू कर दिया है। 15 अप्रैल को किसके आवेदन आएंगे, इसके आधार पर महानगर पालिका में सत्ता का नया समीकरण साफ हो जाएगा। 9 विशेष समितियों के सभापति हेतु भाजपा-शिवसेना में जंग हो सकती है टीपीडी, महिला, जलापूर्ति, खेल, आरोग्य, बांधकाम, गलिच्छ वस्ती आदि प्रमुख समितियों पर नगरसेवकों की नजर है।

RTO ने अवैध गाड़ियों में सफर से बचने की दी चेतावनी

इस घटना के बाद कल्याण के उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (RTO) आशुतोष बारकुल ने आम लोगों से अपील की है कि वे अनधिकृत वाहनों में यात्रा करने से बचें और केवल सुरक्षित व पंजीकृत सार्वजनिक परिवहन का ही उपयोग करें। उन्होंने चेतावनी दी कि छुट्टियों के मौसम में सड़क यातायात बढ़ने वाला है, ऐसे में लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी

आरटीओ ने बताया कि अवैध परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले एक वर्ष में 1,896 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 25.67 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। इसके लिए विशेष टीमें और फ्लाइंग स्क्वॉड्स तैनात हैं, जो मुख्य सड़कों के साथ-साथ बाईपास मार्गों पर भी औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई की जाती है और जरूरत पड़ने पर वाहनों को जब्त भी किया जाता है। साथ ही, स्कूली बसों की नियमित जांच भी सुनिश्चित की जा रही है ताकि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

एक साल में 1900 गाड़ियों के खिलाफ की कार्रवाई

26 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया

कल्याण. सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पिछले एक साल में कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में 1,896 गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन गाड़ी मालिकों और ड्राइवरों से साल भर में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 25 लाख 67 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया है, यह जानकारी कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर आशुतोष बारकुल ने दी।

यह कार्रवाई कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के शहापुर, मुरबाड, कल्याण इलाकों में गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन में शामिल गाड़ियों के खिलाफ की गई है। सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की स्पेशल टीमें और फ्लाइंग स्क्वॉड रेगुलर तौर पर इन गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। बारकुल ने कहा कि गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन में शामिल गाड़ियों के ड्राइवरों के खिलाफ रेगुलर तौर पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माने की कार्रवाई की गई है और उनकी गाड़ियों को जब्त किया गया है।

यह कार्रवाई उस रूट पर सरप्राइज इंस्पेक्शन करके की गई है जहां से यह गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन किया जाता है। शाहपुर, मुरबाड इलाकों में यह कैंपेन रेगुलर चलाया जाता है। इस इलाके की मेन सड़कों के साथ-साथ सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट हर हफ़्ते बाईपास सड़कों पर इंस्पेक्शन कैंपेन चलाता है। ड्राइवरों पर मौके पर ही फाइन लगाया जाता है. अधिकारी ने बताया कि अगर इन ड्राइवरों की गाड़ियां सर्विस से बाहर पाई जाती हैं, तो उन्हें RTO पार्किंग में जमा करने का प्लान बनाया गया है।

जो ड्राइवर तेज़ स्पीड से गाड़ी चलाते हैं और पैसेंजर और पैदल चलने वालों की जान को खतरे में डालते हैं, उन्हें भी रोककर पेनल्टी लगाई जा रही है। कई ड्राइवर लेन छोड़कर दूसरी सड़कों पर और सही स्पीड से गाड़ी चलाने की कोशिश करते हैं। ऐसी गाड़ियों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाता है।

अपनी सेफ्टी का ख्याल रखें....

स्टूडेंट्स की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए ऐसी गाड़ियों की रेगुलर इंस्पेक्शन की जाती है। अधिकारी ने यह भी बताया कि अगर इस बस ट्रांसपोर्ट में कोई गलती पाई जाती है, तो संबंधित स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ पेनल्टी एक्शन लिया जाता है। पैसेंजर्स को अपनी सेफ्टी का ध्यान रखना चाहिए और पब्लिक बस सर्विस अपनानी चाहिए। सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट अधिकारियों ने अपील की है कि गैर-कानूनी जीप और ओमनी जैसी गाड़ियों में सफर न करें। अब स्कूल की छुट्टियों का सीजन शुरू हो जाएगा। कई परिवार टूरिज्म के लिए गाड़ियां लेकर निकल जाते हैं। कुछ परिवार अपने गांव चले जाते हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, ऐसी गाड़ियों और सड़कों पर गैर-कानूनी ट्रैफिक की रेगुलर जांच शुरू की जाएगी, बारकुल ने कहा।

डॉ. आंबेडकर जयंती पर अनेक कार्यक्रम

■ अशोक स्तम्भ का लोकार्पण

■ सात को नपा में नौकरी दी गई

अंबरनाथ. भारतीय संविधान के शिल्पकार, अर्थशास्त्र, पत्रकार, वकील परमपूज्य भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती अंबरनाथ शहर में अनेक कार्यक्रम करके मनाई गई. 13 अप्रैल की रात में नपा आंगन में स्थित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को हजारों अनुयायियों ने हार पहना कर अभिवादन एवं नमन किया. उस समय विधायक बालाजी किणीकर, शाम गायकवाड़, नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले, उप नगराद्यक्ष सदाशिव पाटिल, धनंजय सुर्वे, फारुक शेख, सुनिल अहिरे, प्रफुल्ल थोरात, सभी पक्ष के नगरसेवक, पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे. नगरपालिका में रंगबिरंगी कुमकुमे लगाकर सजावट की गई थी. अंबरनाथ नपा आंगन में अशोक स्तम्भ एवं संविधान प्रस्ताविक का अनावरण विधायक किसन कथोरे, विधायक बालाजी किणीकर, नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले, सीओ उमाकांत गायकवाड़ ने करके मानवंदना की. गुलाब करंजुले रवि करंजुले, अभिजीत करंजुले आदि नगरसेवक उपस्थित थे. इस अवसर पर विधायक कथोरे ने कहा कि बाबासाहेब के संविधान ने सबको एकत्रित कर दिया है. अगर हम सब एक हो जाएं तो इसमें कोई दो राय नहीं कि शहर का विकास जोरों पर होगा. किणीकर ने कहा कि सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा दिए गए 13 करोड़ रुपयों के खर्च से अशोक स्तंभ यहां बिठाया गया है. शहर का अच्छा विकास भी हम चाहते हैं. प्रभाग क्र. 18 में मनिषा वालेकर के हाथों आंबेडकर नगर के प्रवेश द्वार का नाम बाबासाहेब आंबेडकर देकर उसका लोकार्पण किया गया. अंबरनाथ के मुख्याधिकारी ने बताया कि आज के शुभ दिन के अवसर पर लाड, पागे कमीशन के अनुसार 7 उम्मीदवारों को नपा में नौकरी दी गई है.

बदलापुर में स्टेट लेवल वॉलीबॉल टूर्नामेंट की तैयारियों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

ठाणे. जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने बदलापुर जिमखाना ग्राउंड में होने वाले 'छत्रपति शिवाजी महाराज कप स्टेट लेवल वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2025-26' टूर्नामेंट की तैयारियों का सीधा जायजा लिया और संबंधित एजेंसियों को सख्त प्लानिंग करने के आदेश दिए। उन्होंने मीटिंग में साफ निर्देश दिए कि टूर्नामेंट सिर्फ फॉर्मल नहीं होना चाहिए, बल्कि स्पोर्ट्स फेस्टिवल की क्वालिटी का होना चाहिए।

राज्य सरकार ने इस टूर्नामेंट के लिए ग्रांट 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दी है, जिससे इस साल का इवेंट और भी शानदार हो गया है। हालांकि, फंड बढ़ाने के साथ-साथ क्वालिटी भी बेहतर होनी चाहिए, नहीं तो जिम्मेदारी तय की जाएगी, उन्होंने इस मीटिंग में संबंधित लोगों को चेतावनी दी।

यह टूर्नामेंट 13 से 17 मई तक होगा। टूर्नामेंट में 19 और 21 साल से कम उम्र के लड़के और लड़कियों की 32 टीमें हिस्सा लेंगी और करीब 548 खिलाड़ी, कोच और अधिकारी ठाणे पहुंचेंगे। खिलाड़ियों के रहने, खाने, ट्रांसपोर्ट, सिक्योरिटी और मैदान की लाइटिंग पर खास ध्यान दिया गया।

जिला कलेक्टर ने यह भी साफ किया कि विजेताओं को इनाम की रकम, भत्ते और आने-जाने का खर्च ट्रांसपेरेंट तरीके से बांटा जाना चाहिए। जिला कलेक्टर ने एडमिनिस्ट्रेशन, पुलिस और लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट बॉडीज़ से भी अपील की कि वे कोऑर्डिनेशन से काम करें और ठाणे की खेल और मेहमाननवाज़ी की परंपरा को बनाए रखें।

नींद ना आने से परेशान वृद्धा ट्रेन के आगे कूदी

■ इपैर की उंगलियां कटीं, सर पर गंभीर चोटें, हालत गंभीर

■ इट्रेन चालक ने ट्रेन धीमी कर दी

घायल महिला

यश जगले

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक 60 वर्षीय महिला लोकल ट्रेन के आगे कूद गई, लेकिन ट्रेन के चालक ने उसे देखते ही ट्रेन को ब्रेक लगा दिया. रुकते-रुकते ट्रेन महिला के टकरा गई और उसके एक पैर की पांचों उंगलियां कट कर अलग हो गई. उसके सर पर भी गंभीर चोटें आई हैं. ये घटना 14 अप्रैल की सुबह 10 बजे हुई है. इस घटना को देखते ही पास के आफिस में बैटे हुए यश जगले ने फौरन महिला को उठाकर पास के रुमाल और नेपकीन से पैर और सर को बांधा. उन्होंने बताया कि हमने एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन वह जल्दी नहीं पहुंची. उन्होंने रेलवे पुलिस और रेल कर्मचारियों की मदद से रक्त से लथपथ महिला को उठाकर एक आटो रिक्शा में डालकर उसे सेंट्रल अस्पताल पहुंचाया. जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है. ये महिला शहर पूर्व में रहती है. यश ने हमें बताया कि महिला होश में थी. उसने बताया कि उसे 4-5 महिने से रात में नींद नहीं आ रही थी. उसका डॉक्टर के पास उपचार चल रहा था. जिस पर उसके लड़के हजारों रुपए खर्च कर चुके थे. बेटे का वेतन भी कम है. उसके और पैसे खर्च ना हों इसलिए उसने लोकल के नीचे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया. वह यश से पूछने लगी की उसे क्यों बचाया. वह मर जाती तो अच्छा हो जाता.

यश ने हमें बताया कि रेलवे के कर्मचारी एवं रेलवे पुलिस, स्थानीय पुलिस ने बड़ी सहायता की. ये घटना सुबह बी केबिन के पास की है. यश को वृद्धा ने कहा कि उसने उसे क्यों बचाया. उसे मर जाने दिया होता, तो मेरे बच्चे के पैसे बच जाते. अभी घायल हूं. अभी तो और ज्यादा खर्च मेरे बच्चे का होगा.

82 साल की वृद्धा से 73 लाख की ठगी

कल्याण. पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादी के पास आपका मोबाइल नंबर है। उस आतंकवादी ने पैसों के संदिग्ध गुमनाम लेन-देन किए हैं। इसलिए, आप भी इन सभी मामलों में शामिल हैं। कल्याण में एक 82 साल की दादी से पिछले पांच दिनों में पांच बदमाशों ने कुल 73 लाख 30 हजार रुपये यह कहकर ऐंठ लिए कि वे आपके बैंक लेन-देन की जांच करना चाहते हैं।

ठगी का एहसास होने के बाद, दादी ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत करने वाली दादी का नाम रोहिणी चंद्रकांत कुलकर्णी (82) है। वह कल्याण पश्चिम में सिंडिकेट मुरबाड रोड पर एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में रहती हैं। यह सारा फ्रॉड 6 अप्रैल से 10 अप्रैल, 2026 के बीच हुआ। पुलिस ने केस दर्ज किया है। रोहिणी कुलकर्णी ने पुलिस स्टेशन में दी अपनी शिकायत में कहा है कि 6 अप्रैल को जब मैं घर पर थी, तो विजय खन्ना नाम का एक आदमी मेरे मोबाइल फ़ोन से मुझसे कॉन्टैक्ट करने लगा। उसके बाद, उसके चार और साथियों ने बारी-बारी से शिकायत करने वाले से कॉन्टैक्ट किया और खुद को इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बताकर मुझे डरा रहे थे।

इन पांचों लोगों ने पिछले पांच दिनों में वृद्धा को बताया कि एक SIM कार्ड होल्डर है। वह पाकिस्तानी सैनिक है। लेकिन वह एक टेररिस्ट है। उसी ने पहलगाम में हमला किया था। इस टेररिस्ट ने कुछ शक वाले एनॉनिमस ट्रांज़ैक्शन किए हैं। इन ट्रांज़ैक्शन में आपका मोबाइल नंबर भी शामिल है। इसलिए, आप भी इन सभी शक वाले ट्रांज़ैक्शन में शामिल हैं। हम इन सभी एनॉनिमस ट्रांज़ैक्शन की जांच कर रहे हैं। इस मामले में, यह झूठा दावा करते हुए कि हम आपके बैंक ट्रांज़ैक्शन की भी जांच करना चाहते हैं, इन पांच ठगों ने रोहिणी कुलकर्णी को अपने अलग-अलग बैंकों की डिटेल्स WhatsApp पर भेजीं और उनसे कहा कि वह इन ठगों द्वारा बताई गई रकम को धीरे-धीरे उस बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दें। पांच दिनों में कुलकर्णी से RTGS और ऑनलाइन चैनलों के ज़रिए कुल 73 लाख 30 हज़ार रुपये निकाल लिए गए।

बचत गट की 2 महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई

■ दुकानदार से रिश्वत लेने का मामला

कल्याण. महिला बचत गट की दो कर्मचारियों पर प्लास्टिक बैन ऑपरेशन के दौरान एक होटल मैनेजर से 2,000 रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा है, और जैसे ही कल्याण डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट को इस बारे में जानकारी मिली, उन महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

KDMC के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर रामदास कोकरे को जैसे ही इस बारे में पता चला, उन्होंने बचत गट की दो महिला कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का आदेश दिया है। सिंगल प्लास्टिक बैन ऑपरेशन का काम महिला बचत गट को दिया गया है। कल्याण ईस्ट के हनुमाननगर में एक होटल में प्लास्टिक मिलने के बाद, टीम की महिला कर्मचारियों ने होटल कर्मचारी से 5,000 रुपये का जुर्माना भरने को कहा। होटल मैनेजर ने महिला कर्मचारियों से कार्रवाई से बचने की रिक्वेस्ट की। लेकिन, कर्मचारियों ने 3,000 रुपये देने की मांग की। मैनेजरों ने 1,000 रुपये देने की तैयारी दिखाई, लेकिन ये महिलाएं इसके लिए तैयार नहीं हुईं। उन्होंने कार्रवाई की चेतावनी दी। आरोप है कि मैनेजर ने आखिरकार एक कर्मचारी के ज़रिए उन्हें दो हज़ार रुपये दिए, तब जाकर महिला कर्मचारी वहां से गई।

RTE के तहत ठाणे ज़िले से 10 हज़ार स्टूडेंट्स चुने गए

ठाणे. एकेडमिक ईयर 2026-27 के लिए RTE 25 परसेंट एडमिशन प्रोसेस के लिए ऑनलाइन लॉटरी पुणे में महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (विद्या प्राधिकरण) में हुई। इसके बाद शुक्रवार देर रात RTE की ऑफिशियल वेबसाइट पर यह अनाउंस किया गया कि इस लॉटरी के ज़रिए राज्य से 1 लाख 5 हज़ार 582 स्टूडेंट्स RTE एडमिशन के लिए चुने गए हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट ने पेरेंट्स से अपील की है कि RTE की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपने बच्चे के एप्लीकेशन का स्टेटस चेक करें।

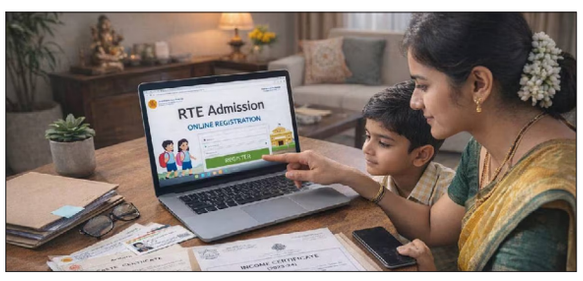

एकेडमिक ईयर 2026-27 के लिए राज्य भर से 2 लाख 89 हज़ार 289 पेरेंट्स ने अपने बच्चों के RTE एडमिशन के लिए 1 लाख 14 हज़ार 826 सीटों पर ऑनलाइन अप्लाई किया था। इन सभी एप्लीकेशन से कंप्यूटराइज़्ड तरीके से ट्रांसपेरेंट ड्रॉ निकाला गया। इस ड्रॉ से 1 लाख 5 हज़ार 582 स्टूडेंट्स RTE एडमिशन के लिए चुने गए हैं। चुने गए स्टूडेंट्स के पेरेंट्स को उनके मोबाइल नंबर पर SMS से जानकारी दी जाएगी। साथ ही, इन स्टूडेंट्स को एडमिशन लेने के लिए 20 अप्रैल तक की डेडलाइन दी गई है, जैसा कि RTE की ऑफिशियल वेबसाइट पर दिया गया है।

ठाणे जिले में 10 हज़ार स्टूडेंट्स का सिलेक्शन

ठाणे जिले के 615 स्कूलों में 11 हज़ार 754 सीटों के लिए RTE एडमिशन प्रोसेस लागू किया जा रहा है। जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों से इन सीटों के लिए कुल 25 हज़ार 21 बच्चों ने अप्लाई किया है। इनमें से 10 हज़ार 578 बच्चे ड्रॉ में RTE एडमिशन के लिए चुने गए हैं।

पेरेंट्स के लिए निर्देश

■ साल 2026-27 की सिलेक्शन लिस्ट में एडमिशन के लिए एलिजिबल बच्चों के पेरेंट्स को उनके मोबाइल पर SMS मिलेगा, लेकिन पेरेंट्स को सिर्फ़ SMS पर भरोसा नहीं करना चाहिए, बल्कि RTE पोर्टल पर "Application Status" टैब पर अपना एप्लीकेशन नंबर चेक करना चाहिए कि उन्होंने लॉटरी जीती है या नहीं।

नदी में नहाने गये 4 दोस्तों में से एक की मौत

■ 3 को बचाया गया

भिवंडी. भिवंडी के नई बस्ती क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है जहां वालकास नदी में नहाने गए चार दोस्तों में सेएक युवक की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चारों लड़के नदी में नहाने के लिए उतरे थे तभी अचानक गहराई और पानी के तेज बहाव के कारण वे फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीन लड़कों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया लेकिन एक युवक पानी में डूब गया। मृतक की पहचान मोइनुद्दीन (उम्र 19 वर्ष) के रूप में हुई है। परिवार वालों के अनुसार घटना के बाद मौके पर रेस्क्यू टीम पहुंची लेकिन उन्होंने ठीक से तलाशी अभियान नहीं चलाया और करीब 20 मिनट बाद ही वापस लौट गए इस दौरान परिजन पूरी रात नदी किनारे अपने बेटे की तलाश में भटकते रहे। सुबह होने पर स्थानीय लोगों की मदद से युवक का शव बरामद किया गया जिससे इलाके में शोक की लहर फैल गई। घटना के बाद परिजनों ने रेस्क्यू कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

श्रमिकों में असंतोष की आग!

देश में हर नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। यह अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के समक्ष रखने का एक तरीका हो सकता है। मगर उत्तर प्रदेश के नोएडा में सोमवार को अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे श्रमिकों का प्रदर्शन जिस तरह हिंसा और आगजनी में तब्दील हो गया, वह वास्तव में चिंताजनक है। कई इलाकों में यातायात ठप हो गया, वाहनों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया और कुछ जगह पुलिस से झड़प के दौरान पत्थरबाजी भी हुई।

अराजकता की राह निश्चित रूप से लोकतंत्र में बाधक है, लेकिन सवाल है कि यह स्थिति क्यों और कैसे उत्पन्न हुई तथा इसके लिए कौन जिम्मेदार है। सरकार और जिला प्रशासन की ओर से समय रहते श्रमिकों को भरोसे में लेकर समाधान खोजने के कारगर प्रयास क्यों नहीं किए गए?

गौरतलब है कि गौतम बुद्ध नगर जिले के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक बीते चार दिन से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन की गारंटी, समय पर पूरा वेतन, अतिरिक्त समय में काम करने पर दोगुना भुगतान तथा असंगठित एवं घरों पर सामान पहुंचाने वाले श्रमिकों को भी सामाजिक एवं रोजगार सुरक्षा के दायरे में लाना शामिल है।

खबरों के मुताबिक, प्रदेश सरकार की ओर से इनमें से कुछ मांगों को लेकर सहमति व्यक्त की गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी श्रमिक इससे संतुष्ट नहीं थे। इसमें दोराय नहीं है कि आए दिन महंगाई जिस तरह से बढ़ रही है, उससे श्रमिक वर्ग के लिए परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम वेतन और उसका भी समय पर भुगतान न होने से उनकी दिक्कतें और बढ़ जाती हैं।

सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के भुगतान की व्यवस्था पूरी तरह लागू की जाए। साथ ही वक्त के साथ बढ़ती महंगाई के मद्देनजर कामगारों की बुनियादी जरूरतें और गरिमा के साथ जीने का अधिकार बाधित न हों। कारखानों के प्रबंधनों का भी यह दायित्व है कि वे श्रमिकों की वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों पर विचार करें और आपसी सहमति से समस्याओं को सुलझाने की दिशा में काम करे।

विमर्श

बंगाल को चाहिए आर्थिक नवजागरण

स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले ने कहा था, भारत जो कल सोचता है उसे बंगाल आज सोच लेता है। उनकी यह उक्ति स्वतंत्रता के समय के पश्चिम बंगाल के लिए सटीक थी। बंगाल सांस्कृतिक और सामाजिक नवजागरण के साथ-साथ देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास का भी केंद्र था और कलकत्ता (अब कोलकाता) उसकी मुकुटमणि था। स्वतंत्रता के समय उद्योग और व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र कलकत्ता ही था, जिसकी जीडीपी शंघाई के बराबर थी और औसत आय उससे भी अधिक।

देश की एक चौथाई वस्तुओं का उत्पादन अकेले बंगाल में होता था और देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान बंगाल का ही था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद और खासकर साठ के दशक के बाद बंगाल और कलकत्ता की किस्मत ने ऐसी पलटी खाई कि आज इस राज्य में तीन प्रतिशत से भी कम वस्तुएं बनती हैं और जीडीपी में उसका योगदान घटकर केवल 5.6 प्रतिशत रह गया है। प्रति व्यक्ति आय में भी वह पहले स्थान से फिसलकर 21वें पायदान पर चला गया है। राज्यों के मानव विकास सूचकांक में भी वह 22वें से 25वें पायदान पर है। ओडिशा भी उससे आगे निकल चुका है। इस पतन का असली कारण बंगाल की राजनीति, आर्थिक विषमता और कानून व्यवस्था में छिपा है, जिसे राज्य सरकारों ने लगातार नजरअंदाज किया है।

बढ़ती आर्थिक विषमता के कारण साठ के दशक से ही नक्सलबाड़ी के हिंसक आंदोलन का दौर शुरू हो गया, जिस पर अंकुश लगाने में राज्य और केंद्र सरकारें, दोनों विफल रहीं। इससे कानून व्यवस्था भंग हुई और राज्य अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले छोटे और मझोले कारोबारों ने परेशान होकर बड़ी संख्या में पलायन शुरू किया। सत्तर का दशक आते-आते मजदूर संगठनों के सिंडिकेट बनने शुरू हुए, जिन्होंने बड़े उद्योगों को हड़तालों और घेराव से परेशान करना शुरू किया। उनके डर से नए पूंजी निवेशकों का आना तो दूर, पहले से जमे बड़े उद्योग घरानों ने भी कोलकाता से अपने कारोबार समेटने शुरू कर दिए।

टाटा और बिड़ला के कारोबारी मुख्यालय मुंबई चले गए और एंबेसडर कार बनाने वाली हिंदुस्तान मोटर्स से लेकर डनलप टायर तक हुगली के किनारे लगे कारखाने एक-एक करके बंद होते गए। सत्तर का दशक दुनिया भर में मजदूर आंदोलनों का दशक था। भारत में कोलकाता ही नहीं, अहमदाबाद और मुंबई के कारखानों के मजदूर भी हड़ताल, घेराव और आंदोलन कर रहे थे। इसी दौर में बंगाल की जनता ने वाम मोर्चे को भारी जनादेश दिया और ज्योति बसु मुख्यमंत्री बने। वे 23 साल मुख्यमंत्री रहे। उनकी और उनके बाद 11 साल तक मुख्यमंत्री रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकारों की प्राथमिकता निजी पूंजी निवेश को बढ़ावा देकर उद्योग और रोजगार पैदा करने और उससे बढ़े राजस्व को सामाजिक न्याय के कार्यों में लगाने के बजाय सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की रही।

यह वही दौर था, जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी माओ की सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की नीतियों से हुई बर्बादी से सबक सीखकर विदेशी पूंजी निवेश से औद्योगीकरण की तरफ बढ़ रही थी। इसके दस साल बाद सोवियत संघ भी सत्तर साल की सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की नीतियों की नाकामी से भंग हुआ और रूस निजी उद्योगों की तरफ बढ़ा, लेकिन देश से एक दिन आगे देखने वाले बंगाल को यह सब दिखाई नहीं दिया। भुगतान संकट से विवश होकर भारत सरकार ने भी 1991 में आर्थिक उदारीकरण की नीतियां अपनाईं, जिनका लाभ उठाकर कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात और हरियाणा जैसे राज्यों ने औद्योगीकरण शुरू किया, पर बंगाल के लोग पलायन करते कारोबारों और घटती औसत आय देखकर भी चुनाव-दर-चुनाव उन्हीं सरकारों को चुनते रहे, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को चौपट कर रही थीं।

जब हम ध्यानाभ्यास करते हैं, तो हम अपने आसपास के लोगों को शांति व खुशी प्रदान करने का जरिया बन जाते हैं।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी से नई जटिलता

करीब डेढ़ महीने बाद बहुत मुश्किल से पहले युद्धविराम और फिर शांति की राह तैयार करने के मकसद से ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता की गुंजाइश बनी थी। अतीत से लेकर वर्तमान तक दोनों देशों के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसमें अचानक ही सब कुछ पटरी पर आ जाने की बहुत ज्यादा उम्मीद तो नहीं थी, लेकिन कम से कम युद्ध रुकने और दीर्घकालिक हल निकालने के लिए संवाद कायम रखने की गुंजाइश जरूर बनी थी।

अफसोस की बात यह है कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता के विफल होने के बाद बातचीत के जरिए शांति की संभावना तैयार करने के बजाय एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से टकराव की भाषा का सहारा लेना शुरू कर दिया है, तो दूसरी ओर ईरान ने भी अपने ऊपर होने वाले हमलों का जवाब देने की बात कही है।

इस बीच युद्धविराम लागू होने के बावजूद इजरायल ने लेबनान पर अपने हमले जारी रखे। ऐसी स्थिति में यह समझना मुश्किल नहीं है कि शांति प्रयासों के लिए होने वाली कवायदों और स्थायी हल निकालने की कोशिशों के सामने कैसी चुनौती खड़ी हो सकती है।

गौरतलब है कि ईरान के साथ वार्ता के विफल होने के बाद ट्रंप ने बेहद तल्ख जुबान में कहा कि ईरान होर्मुज जलमार्ग

को खोल दे, नहीं तो अमेरिका समूचे इलाके की नाकेबंदी कर देगा। इसके जवाब में ईरान की ओर से कहा गया कि फारस की खाड़ी और ओमान सागर में सुरक्षा या तो सभी के लिए होगी या किसी के लिए भी नहीं।

ईरान का कहना है कि अगर उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, तो इस क्षेत्र का कोई भी बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल है कि अगर दोनों ही अपनी धमकियों पर अड़े रहते हैं, तो इसका हासिल क्या होगा। युद्ध को खत्म करने के लिए जहां नए रास्तों की तलाश की जानी चाहिए थी, वहीं पहली बैठक में मिली नाकामी के बाद दोनों ओर से हमलावर रुख का प्रदर्शन किया जा रहा है।

दोनों पक्षों की भाषा में नरमी नहीं आई

एक आशंका यह भी पैदा हो रही है कि एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने को लेकर अगर दोनों पक्षों की भाषा में नरमी नहीं आई, तो इसका असर युद्धविराम पर भी पड़ सकता है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि अगर होर्मुज जलमार्ग की नाकेबंदी को लेकर अमेरिका की धमकी वास्तव में अमल में आती है, तो आने वाले दिनों में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की वजह से हालात कैसे हो सकते हैं।

ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हुआ है, लेकिन उसने कुछ देशों को वहां से गुजरने की इजाजत दी हुई है। कुछ अन्य देशों को भी छूट देने की बात चल रही थी। अब जहां कोशिश इस बात की होनी चाहिए थी कि होर्मुज जलमार्ग को खोलने सहित अन्य मुद्दों पर टकराव को खत्म करके स्थायी शांति का रास्ता तैयार किया जाए, वहां नए सिरे से टकराव का रास्ता अख्तियार किया जा रहा है।

अमेरिका की ओर से युद्ध में अपना पलड़ा भारी करने की जिद की कीमत बहुत बड़ी हो सकती है, जिसका खमियाजा वैसे देश ज्यादा उठाएंगे, जो तेल और गैस के लिए फिलहाल काफी हद तक खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दुनिया भर के देशों में तेल और गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलमार्ग से होकर ही गुजरता है। इसके पूरी तरह बंद होने के बाद भारत सहित दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में संकट गहरा सकता है। इसके अलावा, अगर रूस और चीन भी इस संकट की जद में आते हैं, तो एक नई जटिलता खड़ी होगी।

AI चीटिंग चश्मा, सवाल पढ़ते ही सामने आ जाएगा जवाब

चीन में शिक्षा व्यवस्था पर नया खतरा मंडरा रहा है. स्टूडेंट्स अब एग्जाम में सफल होने के लिए

जरा हट के

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले स्मार्ट चश्मे किराए पर ले रहे हैं. ये चश्मे सामान्य चश्मे जैसे दिखते हैं, लेकिन अंदर कैमरा, माइक्रोफोन और AI प्रोसेसिंग पावर छिपी हुई है.

यह चश्मा सवाल को स्कैन करते ही जवाब लेंस पर या आवाज के रूप में सामने ले आता है. Rest of World की रिपोर्ट के अनुसार, कई स्टूडेंट्स इन चश्मों को रोजाना 40 से 80 युआन (लगभग 540 से 1080 रुपये) में किराए पर ले रहे हैं. Xianyu जैसे सेकंड हैंड मार्केटप्लेस पर ये आसानी से उपलब्ध है.

शेनजेन के एक व्यापारी Ke Changsi ने बताया कि उन्होंने पिछले चार महीनों में Rokid और Quark ब्रांड के 1000 से ज्यादा चश्मे किराए पर दिए, जिनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स

शामिल थे. एक विश्वविद्यालय की छात्रा ने बताया कि वह मुश्किल विषयों में फेल होने से बचने के लिए इन चश्मों का इस्तेमाल करती है. साथ ही अपने एग्जाम के बाद वह अपने क्लासमेट्स को भी ये चश्मा रेंट पर देती है. चश्मे में लगा कैमरा एग्जाम पेपर के सवाल को पढ़ता है, AI (जैसे ChatGPT या लोकल मॉडल) से जवाब लेता है और लेंस पर या छोटे डिस्प्ले पर दिखा देता है. कुछ मॉडल्स में रिंग जैसे कंट्रोलर से छुपकर इस्तेमाल किया जा सकता है. चीन में AI ग्लासेस का बाजार तेजी से बढ़ रहा है. सरकार सब्सिडी और Xiaomi, Alibaba जैसी कंपनियां बड़े मॉडल्स ला रही है. लेकिन एजुकेशन सिस्टम के लिए यह चुनौती बन गया है.

चीन में इस समस्या को देखते हुए बड़े नेशनल कॉलेज एंट्रेंस एग्जाम और सिविल सर्विस एग्जाम में इन चश्मों पर बैन लगा रहे हैं. फिर भी क्लास टेस्ट और यूनिवर्सिटी एग्जाम में शिक्षक इन चश्मों को पहचान नहीं पाते क्योंकि ये सामान्य चश्मे जैसे दिखते हैं. हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के रिसर्चर्स ने Rokid ग्लासेस को ChatGPT 5.2 से जोड़कर टेस्ट किया. इसके परिणाम चौंकाने वाले थे. चश्मा पहनकर एग्जाम देने वाले 100 से ज्यादा स्टूडेंट्स की क्लास में टॉप 5 में जगह पा गए.

क्रिस्पी आलू चीला

खाना-खजाना

सुबह की भागदौड़ के बीच पति या बच्चों को टिफिन पैक करना अक्सर एक बड़ा टास्क बन जाता है। ऐसे में आलू ही है, जो सबको नजर आता है। आज हम आपके लिए आलू चीला की एक ऐसी रेसिपी लेकर आए हैं, जिसे खाने में नखरे करने वाले लोग भी चटखारे लेकर आएंगे। आइए जान लीजिए इन्हें बनाने की आसान विधि।

सामग्री :

- 1 आलू
- 2 टेबल स्पून बेसन
- 1 टेबल स्पून सूजी
- 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर पाउडर
- 1 टेबल स्पून प्याज बारीक कटा
- 1 हरी मिर्च बारीक कटी
- 1/4 टी स्पून जीरा पाउडर
- 1/4 टी स्पून धनिया पाउडर
- लाल मिर्च थोड़ी सी
- नमक स्वादानुसार
- चीला सेकने के लिए ऑयल

विधि :

आलू चीला बनाने के लिए सबसे पहले आलू को छील कर कद्दूकस कर लें। इसके बाद कटे आलू को थोड़ी देर पानी में भिगोकर रखें। अब आलू को निचोड़कर एक बाउल में डालें। इसके बाद इसमें बेसन, सूजी, कॉर्नफ्लार पाउडर, प्याज, हरी मिर्च और सारे मसाले डालें। फिर इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर चीले का घोल तैयार कर लें। इसके बाद एक पैन को थोड़े से तेल से अच्छी तरह से ग्रीस कर लें। अब इसके ऊपर तैयार आलू का बैटर डालकर गोलाकार फैला लें। अब इसे ढककर करीब 2 मिनट तक धीमा आंच पर पकाएं। फिर इसके ऊपर तेल लगाकर दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक पका लें। बस तैयार है, टेस्टी और क्रंची आलू का चीला, इसे केचप या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने की होड़

■ जानिए इसके पीछे की चौंकाने वाली वजह

अक्षय तृतीया का मतलब है वह तिथि जिसका कभी क्षय (नाश) न हो. इस दिन आप जो भी अच्छा काम करते हैं या निवेश करते हैं, उसका फल आपको जीवनभर मिलता है. साल 2026 में 19 अप्रैल को यह पर्व मनाया जाएगा. अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना परंपरा है, लेकिन इसे सही समय पर खरीदना ही फायदेमंद होता है. अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने का शुभ मुहूर्त 19 अप्रैल को सुबह 10 बजकर 49 मिनट से लेकर 20 अप्रैल को सुबह 05:40 से दोपहर 12:20 तक का समय सबसे उत्तम माना जा रहा है

■ अक्षय तृतीया का धार्मिक महत्व

अक्षय तृतीया हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है.

इसे 'अखा तीज' भी कहा जाता है. मान्यता है कि इस दिन बिना मुहूर्त देखे कोई भी शुभ कार्य शुरू किया जा सकता है. शादी, गृह प्रवेश, नया बिजनेस या निवेश-सब कुछ इस दिन शुभ माना जाता है.

■ 'अक्षय' शब्द का असली मतलब

'अक्षय' का अर्थ होता है-जो कभी खत्म न हो. यही इस दिन की सबसे बड़ी खासियत है. कहा जाता है कि इस दिन किया गया दान, पूजा या निवेश कभी व्यर्थ नहीं जाता, बल्कि लगातार बढ़ता रहता है. यही सोच लोगों को सोना खरीदने के लिए प्रेरित करती है, क्योंकि सोना खुद भी स्थायी संपत्ति का प्रतीक माना जाता है.

■ सोना खरीदने की परंपरा कैसे शुरू हुई?

सोना सिर्फ एक धातु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में समृद्धि, सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है. अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने की परंपरा का संबंध कई धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है.

■ मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

ऐसा माना जाता है कि इस दिन मां लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलती है. सोना लक्ष्मी जी का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसे घर लाना यानी समृद्धि को आमंत्रित करना समझा जाता है. कई परिवारों में इस दिन नई ज्वेलरी खरीदना एक तरह की परंपरा बन चुका है.

■ कुबेर से जुड़ी मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी दिन कुबेर को धन का देवता बनने का वरदान मिला था. इसलिए लोग मानते हैं कि इस दिन किया गया निवेश या खरीदारी धन वृद्धि का कारण बनती है.

■ महाभारत से जुड़ी कहानी

एक मान्यता ये भी है कि अक्षय तृतीया के दिन ही पांडवों को 'अक्षय पात्र' मिला था, जिसमें कभी भोजन खत्म नहीं होता था. यही वजह है कि इस दिन को कभी न खत्म होने वाली समृद्धि से जोड़ा जाता है.

■ क्या सिर्फ सोना ही खरीदना जरूरी है?

अक्सर लोगों को लगता है कि अगर इस दिन सोना नहीं खरीदा तो शुभ फल नहीं मिलेगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है. अक्षय तृतीया का असली संदेश "अक्षय फल" यानी लगातार बढ़ने वाली सकारात्मकता से जुड़ा है.

■ विकल्प भी हैं उतने ही शुभ

अगर सोना खरीदना संभव नहीं है, तो भी कई ऐसे काम हैं जो इस दिन उतने ही फलदायी माने जाते हैं-

■ बर्तन या चांदी खरीदना

घरेलू उपयोग की चीजें खरीदना भी शुभ माना जाता है. खासकर चांदी या पीतल के बर्तन.

आज का राशिफल

मेष : उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लाभ होगा।

वृषभ : चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा।

कर्क : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह : योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। शत्रुओं का पराभव होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला : बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

वृश्चिक : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

धनु : स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। लापरवाही न करें।

मकर : रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर सभी ओर से सफलता तथा प्रसन्नता प्राप्त होगा।

कुंभ : विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन : मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गर्मियों की सुपरड्रिंक है सत्तू

पारंपरिक रूप से खाए जाने वाला सत्तू (सेतुआ) अब गांवों से निकलकर शहरों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. खासकर गर्मी के मौसम में लोग इसे देसी प्रोटीन ड्रिंक के रूप में अपना रहे हैं. यह न केवल शरीर को ठंडक पहुंचाता है बल्कि दिनभर ऊर्जा से भरपूर भी बनाए रखता है. बढ़ते तापमान के बीच सत्तू का शरबत लोगों के लिए एक प्राकृतिक और सस्ता हेल्थ ड्रिंक बनकर उभरा है. सीधी निवासी प्रियंका सिंह ने बताया कि सत्तू शरबत बनाना बेहद आसान है. इसके लिए एक बर्तन में सत्तू लिया जाता है और उसमें घड़े का ठंडा पानी मिलाकर अच्छे से घोला जाता है. इसके बाद स्वादानुसार नमक डाला जाता है. एक गिलास में काला नमक, सेंधा नमक, नींबू का रस और घर में पिसे मसाले जैसे जीरा और गोलकी मिलाए जाते हैं. फिर इस मिश्रण में सत्तू का पानी डालकर तैयार किया जाता है. एक गिलास सत्तू पीने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती, इसलिए यह एक टाइम के भोजन का भी विकल्प बन सकता है.

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ आरपी परौहा ने बताया कि गर्मी के दिनों में चाय या कॉफी की जगह सत्तू का सेवन करना ज्यादा फायदेमंद होता है. सत्तू में आधा नींबू मिलाकर पीने से यह शरीर को तुरंत ठंडक देता है और एनर्जी लेवल को बनाए रखता है. इसे प्रोटीन का पावर हाउस भी माना जाता है, जिससे शरीर को दिनभर ताकत मिलती है और थकान महसूस नहीं होती.

■ पेट के लिए भी काफी लाभकारी

डॉक्टर परौहा के अनुसार, सत्तू का शरबत पेट के लिए भी काफी लाभकारी है. यह पेट को ठंडा रखता है और एसिडिटी या जलन जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है. साथ ही यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में सहायक होता है. जिन लोगों को तेज धूप में चक्कर आने या बेहोशी की समस्या होती है, उनके लिए सत्तू बेहद उपयोगी साबित होता है.

■ सत्तू से मिलेगा प्रोटीन

पोषण की दृष्टि से भी सत्तू काफी समृद्ध है. एक गिलास सत्तू में लगभग 10 से 15 ग्राम तक प्रोटीन पाया जाता है, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है यानी इसके एक गिलास में अंडे से ज्यादा प्रोटीन होता है. साथ ही यह शरीर को हाइड्रेट रखता है और दिमाग को भी तरोताजा बनाए रखता है. इसमें नींबू और पुदीना मिलाने से इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है, जिससे यह एक बेहतरीन रिफ्रेशिंग ड्रिंक बन जाता है.

पेड़ पर उगने वाली जलेबी!

जंगलों में पाया जाने वाला कीकर, जिसे स्थानीय भाषा में जंगल जलेबी के नाम से जाना जाता है, इन दिनों शहरों के बाजारों में खासा लोकप्रिय हो रहा है. खट्टी-मीठी स्वाद वाला यह जंगली फल न केवल लोगों की जुबान पर चढ़ रहा है बल्कि आदिवासी क्षेत्र की महिलाओं के लिए आय का साधन भी बनते जा रहा है.

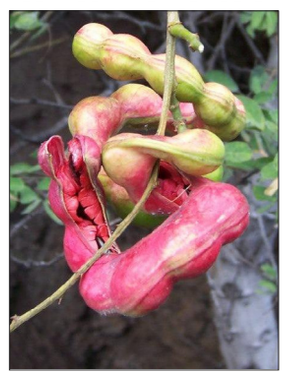

सेहत के लिए फायदेमंद जंगल जलेबी

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ आरपी परौहा ने बताया कि गर्मी के मौसम में मिलने वाली जंगल जलेबी का सेवन शरीर के लिए बेहद लाभकारी होता है. इसके नियमित सेवन से इम्युनिटी सिस्टम मजबूत होता है, त्वचा रोगों में राहत मिलती है, आंखों की रोशनी बेहतर होती है और शुगर नियंत्रण में मदद मिलती है. साथ ही यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में भी सहायक है. उन्होंने बताया कि यह फल शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने का काम करता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो जाता है.

औषधीय गुणों को लेकर जागरूक हैं शहरी लोग

वहीं ग्रामीण इलाकों में अभी भी इस फल को ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता लेकिन शहरों में इसके स्वाद और औषधीय गुणों को लेकर लोगों में जागरूकता तेजी से बढ़ रही है.

इसके चलते जंगल जलेबी अब आदिवासी महिलाओं के लिए आय का बेहतर साधन बनती जा रही है. यह फल उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लापरवाही! एंबुलेंस में प्रसव के दौरान नवजात के हुए दो टुकड़े, मां के पेट में फंसा रह गया सिर

बस्ती. बस्ती से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एंबुलेंस में प्रसव के दौरान नवजात के धड़ से अलग होकर सिर प्रसूता के गर्भाशय में फंस गया। हालत बिगड़ने पर आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। जहां मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर उसे बाहर निकाला। बीते 8 अप्रैल को हुई इस घटना में प्रसूता के परिजनों ने कलवारी थाने में तहरीर दी है। फिलहाल प्रसूता की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। कलवारी थाना क्षेत्र स्थित मुरादपुर गांव के रहने वाले नीरज की पत्नी प्रेमा देवी गर्भवती थीं। सात माह का गर्भ था। प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें 8 अप्रैल की सुबह एंबुलेंस से बनरहा सीएचसी पर पहुंचाया। आरोप है कि एएनएम ने बिना किसी जांच के गर्भवती को दर्द का इंजेक्शन लगा दिया। एंबुलेंस में ही प्रसव कराने का प्रयास किया। उसने नवजात का पैर खींचा जिससे उसका सिर और धड़ अलग हो गया। सिर गर्भाशय में ही फंस गया।

पड़ोसी की हरकतों से परेशान विवाहिता ने उठाया खौफनाक कदम

फिरोजाबाद. उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के थाना बसई मोहम्मदपुर क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 23 वर्षीय विवाहिता ने पड़ोसी युवक की हरकतों और लगातार की जा रही प्रताड़ना से तंग आकर खौफनाक कदम उठाया है। युवक के खिलाफ मायके वालों और ससुरालियों दोनों जगह शिकायत की। परिजनों ने युवक के पिता से शिकायत की लेकिन कुछ नहीं हुआ। परिजन भी युवक के आगे असहाय बने रहे। अततः विवाहिता ने परेशान होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। उसने सुसाइड नोट में मौत का जिम्मेदार पड़ोसी युवक को ठहराया है।

ठेकेदार के मैनेजर की 3 टुकड़ों में मिली लाश

प्रयागराज. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एमईएस के एक ठेकेदार के मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। फाफामऊ रेलवे पुल पर तीन टुकड़ों में मैनेजर का शव मिला। वह तीन घंटे से घर से लापता थे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए उनकी दूसरी पत्नी और साले के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। राजीव के बड़े बेटे का 20 अप्रैल को मुंडन होने वाला था। हंसी-खुशी के माहौल में परिवार में इसकी तैयारियों चल रही थीं। इसी बीच ठेकेदार अचानक घर से लापता हुए और रेलवे ट्रैक पर उनकी लाश मिली। बहरिया थानाक्षेत्र के सिकंदरा के रहने वाले 49 वर्षीय राजीव कुमार मिश्र शिवकुटी में लाला की सराय मोहल्ले में पत्नी सरिता और 12 वर्षीय बेटी काव्या के साथ रहते थे। राजीव एमईएस के ठेकेदार नंदन मिश्र के मैनेजर थे। भाई मनोज मिश्र ने बताया कि पत्नी सरिता और दारागंज निवासी साले प्रभाकर दुबे से विवाद के बाद रविवार रात आठ बजे राजीव घर से निकल गए थे। उनकी तलाश की जा रही थी, इसी दौरान शिवकुटी पुलिस ने फाफामऊ रेलवे पुल पर शव मिलने की जानकारी दी।

बहू की खौफनाक साजिश, पहले सास को जहरीली चाय दी, बची तो रोटी में डालकर खिलाया

यूपी के लखनऊ से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां काकोरी के इब्राहिमगंज में एक बहू ने सास को दो हफ्ते पहले चाय में जहर (कीटनाशक) देकर मारने की कोशिश की थी। ठंडी होने के कारण सास ने चाय नहीं पी तो उसने फिर रोटी में जहर देकर मारने की साजिश रची। उसकी यह साजिश सफल हो गई। यह सनसनीखेज खुलासा पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपी शालिनी ने किया। उधर, कब्र खोदकर निकाले गए सास शांति देवी के शव को पोस्टमार्टम रविवार को किया गया।

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

- बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए, कल शपथ
- इस्तीफा देकर नीतीश बोले- नई सरकार काम देखेगी

पटना. सम्राट चौधरी बिहार के नए CM होंगे। उन्हें बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया है। NDA की बैठक के बाद इसकी ऑपचारिक घोषणा हो जाएगी। कल 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। आज नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने X पर लिखा- 'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'

सीएम पद से इस्तीफे के बाद भावुक हुए नीतीश,

बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य की जनता के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर साझा किए गए अपने संदेश में उन्होंने 2005 से शुरू हुए अपने सफर और भविष्य के बिहार के लिए अपने विजन को विस्तार से रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक सेवा करने के बाद अब उन्होंने खुद पद छोड़ने का निर्णय लिया है।

2005 से 'कानून का राज' और सबका साथ

नीतीश कुमार ने अपने संदेश की शुरुआत 24 नवंबर, 2005 की उस तारीख से की, जब बिहार में पहली बार एनडीए की सरकार बनी थी। उन्होंने लिखा कि तब से लेकर आज तक राज्य में 'कानून का राज' स्थापित करना उनकी प्राथमिकता रही। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के हर तबके—चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सवर्ण हो, पिछड़ा या दलित—सभी के विकास के लिए काम करने का दावा किया। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और कृषि जैसे क्षेत्रों में हुए क्रांतिकारी बदलावों को उन्होंने अपनी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

नई सरकार को मार्गदर्शन और शुभकामनाएं

इस्तीफे की वजह साफ करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, ₹हमने तय किया था कि अब मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे ₹ उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक के बाद राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि नई सरकार को उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहेगा। अपने संदेश के अंत में उन्होंने राज्यवासियों को धन्यवाद देते हुए बिहार के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुलकित जैन और बार्बी जैन हाजिर हों!

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने I-PAC मामले से जुड़े 'हवाला लेन-देन' और मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में पुलकित जैन और प्रतीक जैन की पत्नी बार्बी जैन को 15 अप्रैल को दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में पेश होने के लिए समन जारी किया है।

अधिकारियों के अनुसार, पुलकित जैन, इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (I-PAC) के सह-संस्थापक और निदेशक प्रतीक जैन के भाई हैं। इससे पहले दिल्ली की एक अदालत ने आई-पैक के सह-संस्थापक एवं निदेशक विनेश चंदेल को मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की 10 दिन की हिरासत में भेज दिया। चंदेल को निदेशालय ने राजनीतिक दलों और अन्य संस्थाओं से प्राप्त धन के कथित हवाला लेनदेन से जुड़े एक मामले में सोमवार को गिरफ्तार किया था।

मॉनसून 2026 पर IMD की डराने वाली भविष्यवाणी

सामान्य से भी कम होगी बारिश

नई दिल्ली. भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने कहा है कि इस साल सामान्य से भी कम मॉनसूनी बारिश होगी। वर्ष 2026 के दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को लेकर लंबी अवधि का पूर्वानुमान जारी करते हुए मौसम विभाग ने कहा कि इस साल देश में मॉनसूनी बारिश सामान्य से कम रहने की आशंका है, जिससे खेतीबाड़ी, पशुपालन और जल संसाधनों पर बुरा असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, जून से सितंबर के बीच होने वाली कुल मॉनसूनी बारिश सामान्य से कम यानी 92% (±5%) रह सकती है। यह लंबी अवधि यानी 1971 से 2020 तक के औसत 87 सेंटीमीटर के अनुमान पर आधारित है। इसका मतलब है कि बारिश सामान्य से थोड़ी कम हो सकती है।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमानों में कहा है कि इस साल अल नीनो का प्रभाव रह सकता है, जिसकी वजह से न केवल प्रचंड गर्मी पड़ेगी बल्कि बारिश भी कम होगी। विभाग ने कहा है कि अप्रैल से जून 2026 के दौरान अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO) की तटस्थ स्थितियाँ रहने की सबसे अधिक संभावना है। इसके बाद, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मौसम के दौरान अल नीनो की मजबूत स्थिति बनने की बहुत अधिक संभावना है। इस वजह से मॉनसून कमजोर रह सकता है और सामान्य से कम बारिश हो सकती है। IMD के मुताबिक, अप्रैल से जून तक स्थिति सामान्य रहेगी लेकिन इसके बाद मॉनसून के दौरान अल-नीनो बनने की संभावना अधिक है।

किन इलाकों में सामान्य से ज्यादा बारिश

IMD ने देश भर के लिए जारी लंबी अवधि के पूर्वानुमानों में कहा है कि भौगोलिक रूप से, देश के कई हिस्सों में मौसमी वर्षा सामान्य से कम रहने की अधिक संभावना है। हालांकि, IMD ने पूर्वोत्तर, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से ज्यादा बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने ये भी बताया कि फिलहाल हिंद महासागर में तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) की स्थितियाँ बनी हुई हैं। यानी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं और समयपर मॉनसून के दस्तक देने की संभावना है।

भारत में तलवार की नोक पर नहीं फैला इस्लाम -थरूर

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में एक कार्यक्रम में भारत में इस्लाम के प्रचार को लेकर कुछ अहम टिप्पणियां की हैं। थरूर ने अपने विचार साझा करते हुए इतिहास को लेकर चुनिंदा व्याख्याओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा है कि भारत में इस्लाम युद्ध या तलवार के जरिए नहीं आया, बल्कि शांतिपूर्ण व्यापार, सांस्कृतिक मेलजोल और सूफी परंपरा के जरिए इसका प्रसार हुआ।

नई दिल्ली में आयोजित नेशनल हिस्ट्री कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए शशि थरूर ने कहा कि भारत का इतिहास साझा और कई परतों से मिलकर बना है, जिसे सिर्फ हिंसा की नजर से नहीं देखा जा सकता। केरल का उदाहरण देते हुए थरूर ने कहा कि वहां मुस्लिम समुदाय का विकास व्यापार के जरिए हुआ। स्थानीय लोग, जो ज्यादातर हिंदू थे, मुस्लिम व्यापारियों के संपर्क में आए और इसी मेलजोल से धीरे-धीरे समाज में बदलाव आया, न कि किसी सैन्य जीत के कारण।

आंबेडकर जयंती पर मिटी दूरियां!

साथ ठहाके लगाते दिखे PM मोदी-मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली. बाबासाहब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर मंगलवार को संसद परिसर में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में तब दुर्लभ नजारा दिखा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक ही फ्रेम में ठहाके लगाते नजर आए। दरअसल यह दोनों नेता संसद परिसर के 'प्रेरणा स्थल' पर आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर एक आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और कई अन्य नेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे। पीएम सहित अन्य सांसदों ने बाबासाहब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसके बाद उनके बीच हल्का फुल्का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में ओम बिरला और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मिलने के बाद, मोदी खड़गे की ओर बढ़े, उनसे हाथ मिलाया और संक्षिप्त बातचीत की। इसके बाद दोनों नेताओं को एक साथ हंसते हुए देखा गया। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले, पीएम मोदी को कांग्रेस सांसद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत करने के लिए अपनी गाड़ी से बाहर निकलते हुए भी देखा गया था।

पूरे देश में लागू हो UCC, उत्तराखंड ने दिखाई राह

- PM मोदी ने दिए बड़े संकेत
- 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर संसद में खास चर्चा

देहरादून. प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून 6 लेन इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कुछ बड़े संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए। यह हमारे संविधान की अपेक्षा है। उत्तराखंड ने संविधान की इस भावना को आगे बढ़ाकर पूरे देश को राह दिखाई है। पीएम मोदी ने यह भी संकेत दिए कि सरकार 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के बारे में कुछ फैसले ले सकती है।

अब पूरे देश में यूसीसी की बारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में आने वाले दिनों में यूसीसी पर बड़े फैसले के भी संकेत दिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए। यह हमारे संविधान की अपेक्षा है। उत्तराखंड ने संविधान की इस भावना को आगे बढ़ाकर पूरे देश को राह दिखाई है। साथियों बाबा साहेब का जीवन गरीबों, वंचितों और शोषितों के लिए एक न्यायपूर्ण व्यवस्था देने के लिए समर्पित था।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर संसद में खास चर्चा

पीएम ने कहा कि संसद ने दशकों के इंतजार के बाद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया। इससे विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण पक्का हो गया। सभी पार्टियां आगे आईं और इस कानून का समर्थन किया। अब इसे लागू करने में कोई देरी नहीं की जानी चाहिए। देश की भावना है कि इसे 2029 तक लागू कर देना चाहिए। देश की हर बहन और बेटी की यह इच्छा है। 16 अप्रैल को संसद में एक खास चर्चा रखी गई है। सभी पार्टियों को एक साथ आना चाहिए और मिलकर इस काम को आगे बढ़ाना चाहिए।

पाकिस्तान में वार्ता फेल होने के बाद PM मोदी की ट्रंप से बात

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच बात हुई है। यह बातचीत करीब 40 मिनट तक हुई है। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद इस बातचीत को बेहद अहम माना जा रहा है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। इस साल तीसरी बार पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बात की है। वहीं, पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दूसरी बार दोनों के बीच बात हुई है। अमेरिकी राजदूत ने कहाकि ट्रंप ने पश्चिम एशिया की स्थिति, जिसमें ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी भी शामिल है, पर प्रधानमंत्री को जानकारी दी।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन, 350 फैक्ट्रियों में तोड़फोड़

- शोरूम के बाहर कारें फूंकी
- 150 गाड़ियां तोड़ीं
- योगी ने हाईलेवल कमेटी बनाई

नोएडा. नोएडा में सोमवार को फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे 42 हजार कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। कर्मचारियों ने अलग-अलग इलाकों में फैक्ट्रियों में पथराव, तोड़फोड़ की।

कर्मचारियों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए और करीब 50 से ज्यादा फूंक दीं। पुलिस की गाड़ियां भी पलट दी। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कर्मचारियों का कहना था कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं, वो रुकेंगे नहीं।

पुलिस ने करीब 200 कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। 60 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। खास बात है कि इस प्रदर्शन का कोई चेहरा या लीडर नहीं था। 18 से 30 साल के युवा हिंसक प्रदर्शन कर रहे थे।

नोएडा आंत्रप्रेन्योर एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन के मुताबिक करीब 350 से ज्यादा इंडस्ट्री में तोड़फोड़ और 150 वाहन तोड़े गए हैं।

प्रफुल्ल हिंगे IPL डेब्यू ओवर में 3 विकेट वाले पहले बॉलर

- वैभव शून्य पर आउट
- संदीप-जुरेल टकराए

सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। IPL डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने इतिहास रचा। वे पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इससे पहले IPL इतिहास में 32 बार पहले ओवर में 2 विकेट लिए गए थे। दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। चौथी पर ध्रुव जुरेल को बोल्ड किया। आखिरी गेंद पर लुहान-ड्रे प्रिटोरियस को कैच कराकर तीसरा विकेट लिया। तीनों बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

अभिषेक एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट

अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

साकिब हुसैन IPL डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में KKR के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने आज 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

आर्चर को लगातार दूसरे मैच की पहली गेंद पर विकेट

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को RCB के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया।

IPL में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह IPL में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

10वें ओवर में ईशान किशन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ घुटने के बल बैठकर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाकर 30 गेंद में अर्धशतक बनाया।

संदीप-ध्रुव टकराए, ईशान कैच आउट

14वें ओवर में ईशान किशन का विकेट गिरा। संदीप शर्मा की वाइड लेंथ गेंद पर ईशान ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और गेंद ऊपर चली गई। कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकराए, लेकिन संदीप ने गेंद पकड़ ली। 13वें ओवर में फ्लडलाइट बंद होने से खेल रुका। मैदान पर अंधेरा छा गया और दर्शकों ने मोबाइल फ्लैश जलाई।

पेट्रोल 18 और डीजल 35 रु. हो सकता है महंगा

- बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम
- तेल कंपनियां नुकसान में

नई दिल्ली. कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां

कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

सरकारी राजस्व में तेल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में यह 22% था, जो अब घटकर सिर्फ 8% रह गया है।

सीबीआई की 77 ठिकानों पर छापेमारी

- बिल्डरों के खिलाफ 8 राज्यों में ऐक्शन
- ताबड़तोड़ केस

नई दिल्ली. सीबीआई ने देश के 8 राज्यों के 77 ठिकानों पर आज छापेमारी की है। यह बड़ा ऐक्शन कुछ बिल्डर्स और वित्तीय संस्थाओं के गठजोड़ के खिलाफ लिया गया है। आरोप है कि कई बिल्डर्स और वित्तीय संस्थाओं ने मिलकर घर खरीददारों की पूंजी से हेरफेर किया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने 22 मामले दर्ज किए हैं और अब ऐक्शन शुरू किया है। सीबीआई ने जिन शहरों में रेड मारी है, उनमें दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नै, पुदुचेरी शामिल हैं। यह मामला सुपरटेक लिमिटेड समेत कई बिल्डरों से जुड़ा है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को मामला सौंपा था।

शीर्ष अदालत ने 29 अप्रैल, 2025 को एजेंसी से कहा था कि वह इस मामले में एनसीआर के आरोपी बिल्डरों के खिलाफ केस दर्ज करे और जांच शुरू की जाए। इसके बाद अदालत ने एजेंसी को आदेश दिया था कि वह ऐसे 22 मामलों में केस दर्ज करे, जिनमें होमबायर्स के साथ ठगी की शिकायत है। इसके बाद बीते साल ही सितंबर में अदालत ने सीबीआई से कहा था कि वह 6 केस और फाइल करे। इन केसों को बिल्डर्स और बैंकों के बीच गठजोड़ को लेकर दर्ज करने का आदेश दिया गया था। शिकायत थी कि बैंकों और बिल्डरों ने मिलकर फ्रॉड किया है। निवेशकों और घर खरीददारों की पूंजी की हेराफेरी की गई है।

ये बिल्डर प्रोजेक्टर दिल्ली-एनसीआर, मोहाली, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और प्रयागराज के बताए जा रहे हैं। सीबीआई से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सर्च के दौरान कुछ दस्तावेज बरामद हुए हैं, जो सबूत के तौर पर अहम हो सकते हैं।

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

जा.क्र. अंनप/बांधकाम विभाग/2026-27/53 दि. 15/6/२०२६

ई-निविदा सुचना क्र. सन 2026-27

मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद, इच्छूक, अनुभवी व अहर्तापात्रता निकष पूर्ण करणा*या सल्लागारांकडून खालील कामाकरिता ई-निविदा प्रणालीद्वारे (ऑनलाईन) निविदा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्रे शासनाचे संकेतस्थळ http://mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यात यावीत तसेच निविदा स्वीकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्वीकारली जाणार नाही.

अक्र.	कामाचे नांव	इसारा रक्कम	निविदा कागदपत्र शुल्क
०१	अंबरनाथ शहरातील मुख्य चौकात वाहतूक कोंडी होऊ नये व अपघाताचा धोका टाळण्यासाठी वाहतूक आराखडा तयार करणेसाठी तज्ञांची नेमणूक करणे	रु. ५०,०००/-	रु. ११८०/-

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी :- दि. 16/04/2026 दुपारी 12.00 ते दि. 23/04/2026 दु. 3.00 पर्यंत
निविदा पुर्व बैठक :- दिनांक 10/04/2026 वेळ : दुपारी 12.00 वाजता ऑनलाईन
ई- निविदा उघडणे :- दिनांक 28/04/2026 दु. 3.00 वा.
खालील सकेतस्थळावर ई-निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.
1. http://mahatenders.gov.in
(सदर निविदेसूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईटवरती कळविण्यात येईल)
2. मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद यांचे कार्यालयातील सूचना फलक

सही/-
(उमाकांत गायकवाड)
मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद.

संक्षेप...

'संविधान के शिल्पकार' को सामूहिक नमन

कल्याण. भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 135वीं जयंती पर कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र में श्रद्धा और सम्मान के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। मनपा मुख्यालय से लेकर विभिन्न प्रभाग कार्यालयों तक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने एकजुट होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मनपा मुख्यालय में महापौर हर्षाली चौधरी और आयुक्त अभिनव गोयल ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में उपआयुक्त वंदना गुलवे, पार्षद रमेश जाधव और नागरिक उपस्थित रहे.

ड्रग की ओवरडोज से दो छात्रों की मौत

■ हार्ड टेक्नो कॉन्सर्ट के एक आयोजक समेत 5 लोग गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई में एक हार्ड टेक्नो कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स का सेवन दो छात्रों के लिए जानलेवा बन गया. 11 अप्रैल को नेस्को वेयरहाउस में आयोजित इस इवेंट के बाद तीन छात्रों की तबीयत बिगड़ी, जिनमें से दो की मौत हो गई. पुलिस ने इस मामले में पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों और एक इवेंट ऑर्गनाइजर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है.

यह मामला 11 अप्रैल का है, जब नेस्को वेयरहाउस में एक हार्ड टेक्नो कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था. इस इवेंट में इटली के टेक्नो आर्टिस्ट्स भी शामिल हुए थे, जिससे बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचे थे. इसी दौरान एक कॉलेज के छात्रों का ग्रुप भी कॉन्सर्ट में शामिल होने आया था. किसी को अंदाजा नहीं था कि यह म्यूजिक इवेंट कुछ ही घंटों में दर्दनाक हादसे में बदल जाएगा.

कॉन्सर्ट में शामिल इस ग्रुप के तीन छात्रों ने कथित तौर पर ड्रग्स का सेवन किया. छात्रों की उम्र 23 से 25 साल के बीच थी. ड्रग्स लेने के कुछ समय बाद ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी. हालत गंभीर होते देख उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया. लेकिन तब

तक शरीर पर ड्रग्स का असर खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका था.

इनमें से दो महिला छात्रों को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा अस्पताल ले जाया गया, जबकि एक पुरुष छात्र को गोरेगांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने तीनों को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई.

इलाज के दौरान गोरेगांव के निजी अस्पताल में भर्ती 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई. वहीं ट्रॉमा अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराई गई एक 24 वर्षीय महिला छात्रा ने भी सोमवार को दम तोड़ दिया. दूसरी महिला छात्रा की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और वह ICU में जिंदगी की जंग लड़ रही है.

घटना की जानकारी मिलते ही वानराई पुलिस स्टेशन की टीम हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की. पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कुछ पोस्ट ग्रेजुएट छात्र और एक इवेंट ऑर्गनाइजर शामिल हैं. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ड्रग्स कहां से आए और किसने इन्हें छात्रों तक पहुंचाया.

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और NDPS एक्ट के तहत कड़ी धाराओं में केस दर्ज किया है. इसमें ड्रग्स की खरीद-फरोख्त, कब्जा और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश कर रही है.

नेस्को सेंटर ड्रग्स पार्टी प्रकरण आरोपी कल्याण से गिरफ्तार

कल्याण. कुछ दिनों पहले मुंबई के नेक्सो सेंटर में हुई ड्रग्स पार्टी मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इस केस के अहम आरोपी आनंद पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। आज सुबह करीब साढ़े पांच बजे यह कार्रवाई की गई, जिसे खडकपाडा पुलिस ने अंजाम दिया।

कल्याण के वायले नगर इलाके में स्थित मोहन हाइट्स इमारत में रहने वाले आनंद पटेल के घर पर खडकपाडा पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान आरोपी घर में मौजूद होने के बावजूद दरवाजा नहीं खोल रहा था, जिसके चलते पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आनंद पटेल को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई खडकपाडा पुलिस द्वारा की गई और आगे की जांच के लिए आरोपी को मुंबई पुलिस के हवाले कर दिया गया है। नेक्सो सेंटर में हुई ड्रग्स पार्टी में आनंद पटेल के ड्रग्स सप्लायर होने की प्राथमिक

जानकारी पुलिस जांच में सामने आई है। इस बीच, इस मामले में एक बड़े रैकेट के पर्दाफाश होने की संभावना जताई जा रही है। ड्रग्स सप्लाई की चेन में और भी बड़े लोगों के शामिल होने की आशंका है, जिसे देखते हुए पुलिस ने जमीनी स्तर से जांच शुरू कर दी है। इस घटना से कल्याण में सनसनी फैल गई है और युवाओं में बढ़ते ड्रग्स के इस्तेमाल को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और आने वाले समय में और भी चौंकाने वाली जानकारियां सामने आने की संभावना है।

ठाणे मनपा की तरफ से महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मनपा मुख्यालय स्थित स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हाल में भारत रत्न डॉ. अंबेडकर को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे के साथ मनपा कर्मचारी और कम्युनिटी के लोग मौजूद थे। इसके बाद कोर्ट नाका पर बाबा साहेब के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

कार की ट्रक से टक्कर के बाद चालक की मौत

■ आईटी कंपनी के 4 कर्मचारी घायल

ठाणे. ठाणे में मुंबई-नासिक राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक कार के ट्रेलर ट्रक से टकरा जाने के बाद कार चालक की मौत हो गई और एक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी के चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

ठाणे आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि घायल हुए लोग दफ्तर से घर लौट रहे थे और तड़के तीन बजकर 55 मिनट पर खारेगांव टोल प्लाज़ा के समीप एक पेट्रोल पंप के पास यह

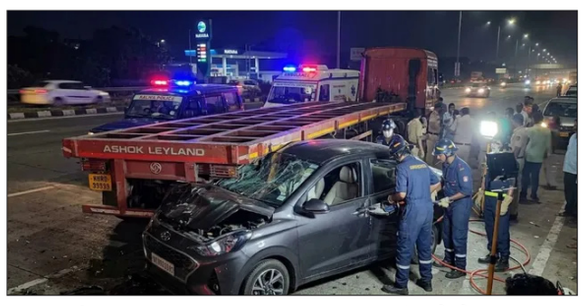

घटना घटी।

उन्होंने बताया कि चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन एक ट्रेलर ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया और ज़ोरदार टक्कर हो जाने के बाद वह कार के अंदर ही फंस गया।

सूचना मिलने के बाद बचाव टीम मौके पर पहुंची। तड़वी ने बताया कि टीम ने गंभीर रूप से घायल हुए कार चालक को बाहर निकाला और उसे कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान ठाणे के वागले एस्टेट निवासी दीपक पाटेकर (26) के रूप में हुई है।

कार सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कार सवार इन चार लोगों की उम्र 20 से 23 साल के बीच है और वे डोंबिवली के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुए वाहन को क्रेन की मदद से सड़क से हटा दिया गया और थोड़ी देर के लिए यातायात प्रभावित भी रहा, जिसे बहाल कर दिया गया।

ससुराल वालों ने बहू और उसके भाई पर किया जानलेवा हमला

■ दोनों गंभीर रूप से घायल

■ पति गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश

कल्याण. कल्याण में तलाक के विवाद से नाराज ससुराल पक्ष के लोगों ने सीधे बहू और उसके भाई पर जानलेवा हमला कर दिया। यह चौंकाने वाली घटना वालधुनी के अशोकनगर इलाके में घटी। इस हमले में तनवीर खान की पत्नी रुक्सार खान गंभीर रूप से घायल हो गई है। महात्मा फुले पुलिस के अनुसार, पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के कारण हालात बिगड़ गए थे। विवाद इतना बढ़ गया कि रुक्सार अपने भाई के साथ शिकायत दर्ज कराने महात्मा फुले पुलिस थाने गई थी। लेकिन इसी दौरान गुस्साए ससुराल वालों ने उनका पीछा कर पुलिस थाने के बाहर ही उन पर हमला बोल दिया। आरोपियों में पति, ससुर, देवर और ननद शामिल हैं, जिन्होंने चाकू

और पत्थर से अंधाधुंध वार किए। इस अचानक हुए हमले में महिला और उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। खास बात यह है कि मुख्य आरोपी पति आदतन अपराधी है। इस मामले में महात्मा फुले पुलिस ने तनवीर खान (28), सद्दाम खान (30), फरीद खान (50) और शबनम शेख के खिलाफ मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

महापौर पिंपलोलकर-आयुक्त सौरभ राव की मौजूदगी में अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ

■ शहीदों को पुष्पाजंलि दी गई

ठाणे. मनपा के अग्निशमन विभाग की तरफ से 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक "अग्निशमन सेवा सप्ताह" मनाया जाएगा। आज इस सप्ताह का उद्घाटन महापौर शर्मिला पिंपलोलकर,मनपा आयुक्त सौरभ राव की मौजूदगी में बालकुम अग्निशमन विभाग में किया गया। अपनी ड्यूटी करते हुए शहीद हुए जवानों को पुष्पांजलि दी गई।इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे,नगरसेवक संजय भोईर,नगरसेविका उषा भोईर, सपना भोईर,उपायुक्त दिनेश तायड़े,मुख्य अधिकारी गिरीश झलके और अग्निशमन विभाग के

लोग मौजूद थे।14 अप्रैल को शहीद दिवस के तौर पर मनाया जाता है, क्योंकि 1944 में विक्टोरिया डॉक में लगी आग में मुंबई मनपा के 66 अधिकारी और कर्मचारी मारे गए थे। इस मौके पर महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव और वहां मौजूद लोगों ने शहीद सैनिकों को पुष्पांजलि दी।

फायर सेफ्टी वीक पहल का मकसद लोगों में आग से सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इस हफ्ते के दौरान, शहर के स्कूलों, अस्पतालों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और रिहायशी इलाकों में अलग-अलग डेमोंस्ट्रेशन, गाइडेंस सेशन और जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे। "सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल और आग से सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज – आग को रोकने के लिए मिलकर किया गया प्रयास" इस पहल का मुख्य संदेश है।अग्निशमन विभाग आग लगने पर तुरंत कैसे कार्रवाई करें और सही तरीके से इस्तेमाल कैसे करें, इस बारे में गाइडेंस देगा, और प्रशासन ने लोगों से इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है।मुख्य अग्निशमन अधिकारी गिरीश झलके ने विश्वास जताया कि यह कैंपेन लोगों में सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाकर आपदाओं की संख्या को कम करने में मदद करेगा।

15 अप्रैल को ठाणे में तृतीय पंथियों के लिए विभागीय कार्यशाला का आयोजन

ठाणे. महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस और स्पेशल विभाग ने तृतीय पंथी के अधिकारों की रक्षा और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए एक पहल की है। रीजनल डिप्टी कमिश्नर (सोशल वेलफेयर, मुंबई डिविजन) और असिस्टेंट कमिश्नर (सोशल वेलफेयर, ठाणे) के सहयोग से बुधवार, 15 अप्रैल को ठाणे में एक खास विभागीय कार्यशाला रखी गई है।यह प्रोग्राम डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, मुंबई और ठाणे और डिविजनल ट्रायड बोर्ड, कोंकण डिविजन के सहयोग से रखा गया है।सरकार के निर्देशों के अनुसार,तृतीय पंथी की शिकायतों के समाधान के लिए हर डिविजन और जिले में कमेटियां बनाई गई हैं। इस कार्यशाला के ज़रिए, इन बातों पर ज़ोर दिया जाएगाः ग्रीवांस रिड्रेसलः तृतीय पंथी की शिकायतों का तेज़ी से और असरदार तरीके से समाधान, लीगल गाइडेंसः उन्हें उनके अधिकारों के बारे में कानूनी जानकारी देना, आइडेंटिटी कार्ड बांटना तृतीया पंथी को उनके ऑफिशियल आइडेंटिटी कार्ड दिलाने का प्रोसेस लागू करना, ऑल-राउंड डेवलपमेंटः उनकी समस्याओं की गहराई से स्टडी करना और उनके समाधान सुझानाःइस एक दिन की वर्कशॉप में न सिर्फ़ गाइडेंस दी जाएगी, बल्कि कल्चरल प्रोग्राम और सोशल अवेयरनेस प्रोग्राम भी ऑर्गनाइज़ किए जाएंगे।असिस्टेंट कमिश्नर (सोशल वेलफेयर, ठाणे) समाधान इंगले ने ठाणे ज़िले के सभी तृतीय पंथियों से अपील की है कि वे इस वर्कशॉप में बड़ी संख्या में हिस्सा लें और इस मौके का फ़ायदा उठाएं।

सारा ने बर्फबारी के बीच टेंट में बिताई रात

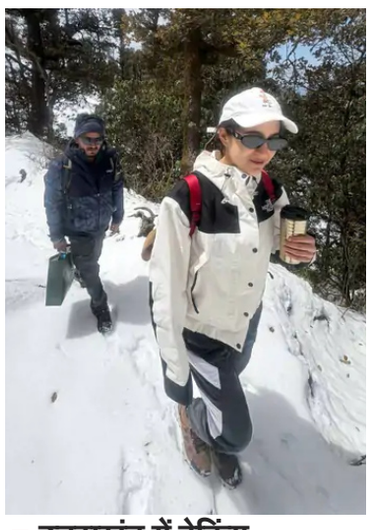

■ उत्तराखंड में ट्रेकिंग की, 18km पैदल चलीं

■ बोलीं- सुकून मिला

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने उत्तराखंड की बर्फीली पहाड़ियों पर ट्रेकिंग की। टिहरी में 18 किलोमीटर पैदल चलीं। पंवाली कांठा बुग्याल में बर्फबारी और खूबसूरत वादियों का दीदार किया। भारी बर्फबारी के बीच टेंट लगाकर रात गुजारी। स्थानीय लोगों के साथ समय बिताकर पहाड़ी खाने का आनंद उठाया।

ट्रैकर कुलदीप रावत ने बताया कि सारा अली खान 11 अप्रैल को टिहरी के घुत्तू आई थीं। यहां 3 दिन रुकीं और सोमवार यानी 13 अप्रैल को वापस चली गईं। सारा ने ग्वाणा गांव से करीब 18 किलोमीटर लंबे पैदल ट्रैक की शुरुआत की। यह ट्रैक प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों के बीच से होकर गुजरता है।

उन्होंने बताया कि ट्रैक के दौरान सारा ने दोफन नाम की जगह पर रात बिताई। इस इलाके में होटल या रेस्टोरेंट की कोई सुविधा नहीं है। इस वजह से सारा ने टेंट में रुककर रात बिताई। सारा ने स्थानीय लोगों के साथ वक्त बिताया। पहाड़ी कल्चर को करीब से जाना।

वापस जाते वक्त उन्होंने कहा- हमेशा ही उत्तराखंड आना बहुत ही खूबसूरत होता है। यह बहुत सुंदर है। यहां आना बहुत ही रोमांचक और सुकून भरा होता है।

लाल चावल, मंडवे की रोटी और लिंगड़ी की सब्जी खाई

सारा अली खान ने 11 अप्रैल को टिहरी में दिन गुजारा। अगले दिन यानी 12 अप्रैल की सुबह वह पंवाली कांठा बुग्याल पहुंचीं। इस इलाके में इन दिनों ताजा बर्फबारी के कारण पूरा क्षेत्र सफेद चादर से ढका हुआ है। उन्होंने बुग्यालों की मनमोहक वादियों और बर्फीले नजारों के बीच समय बिताया। देर शाम वह दोफन वापस लौटीं।
13 अप्रैल को घुत्तू के लिए रवाना हो गईं। ट्रैक के दौरान सारा अली खान ने स्थानीय लोगों के साथ समय बिताया। पहाड़ी व्यंजनों जैसे लाल चावल, मंडवे की रोटी और लिंगड़ी की सब्जी का स्वाद भी लिया। ट्रैकर्स से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए यादगार रहा। उन्होंने भविष्य में दोबारा यहां आने की इच्छा भी जताई।

जमीन में दफन गुटखा हुआ गायब

■ 64 लाख का माल गड्ढे से निकाल ले गए माफिया

भिवंडी. चाविंद्रा स्थित डंपिंग ग्राउंड में पुलिस और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 64 लाख का गुटखा जब्त कर नष्ट किया था, जिसे गुटखा माफिया ने फिर से गड्ढे से चुरा लिया है, यह सब वहां के स्थानीय नागरिकों ने उजागर किया है। मिली जानकारी के अनुसार 2 माह पहले भिवंडी क्राइम ब्रांच ने करीब 64 लाख का गुटखा जब्त किया था। कोर्ट की अनुमति के बाद फूड एंड ड्रग प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में जब्त गुटखे को चाविंद्रा डंपिंग ग्राउंड में 20 से 25 फीट गहरे गड्ढे में दबाने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई पूरी होते ही गुटखा माफिया सक्रिय हो गए और आधी रात के करीब मौके पर पहुंच गए।

जेसीबी की मदद से उन्होंने गड्ढा खोदा और फिर से बड़ी मात्रा में गुटखा निकालकर एक टेंपो में भर लिया। वे कुछ गुटखा ले जाने में कामयाब भी हो गए। जैसे ही क्षेत्रीय लोगों को पता चला, वे मौके पर पहुंचे और गुटखा माफिया को रोकने की कोशिश की। क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस आने की सूचना के बाद माफिया गुटखा से भरा टेंपो छोड़कर भाग गए। घटना से कुछ देर के लिए डंपिंग ग्राउंड इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

नगरसेवक रोहिदास बाघमारे ने आरोप लगाते हुए कहा कि, कोर्ट के आदेश के मुताबिक जब्त गुटखा को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जब्त गुटखे पर केमिकल डालकर उसे जलाना जरूरी है, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही का फायदा गुटखा माफिया उठाते हैं। पूर्व नगरसेवक विकास निकम ने आरोप लगाया है कि इस तरह नष्ट किए गए गुटखे को हटाने के पीछे एक बड़ा रैकेट काम कर रहा है और इसमें कुछ अधिकारी शामिल हो सकते हैं। पुलिस और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे है। एक तरफ जहां राज्य में गुटखा पर बैन है, वहीं दूसरी तरफ देखा जा रहा है कि गुटखा माफिया गुटखे को फिर से बाहर निकालने में सक्रिय हैं।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर जिलाधिकारी कार्यालय में अभिवादन

ठाणे. भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी कार्यालय में उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाए गए।इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल,अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल, तहसीलदार सचिन चौधरी और दूसरे लोगों ने तस्वीर पर फूल चढ़ाए।साथ ही, टाउन हॉल में महान भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की दुर्लभ तस्वीरों की एक प्रदर्शनी लगाई गई है।जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने ठाणेकरों से अपील की है कि वे इस प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में आएं।

आम सूचना

मैं श्री हीरो सेऊमल कटारिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 13, साई मेरे शापिंग काम्पलेक्स, रुम नं. 16, बैरक नं. 2002, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 56डीआय018626800) उक्त प्रॉपर्टी श्री नारायण परमानंद नागदेव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 24.8.2016 सी.नं. 426 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री हीरो सेऊमल कटारिया

आम सूचना

मैं श्री राहुल हीरो कल्याणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 2, ग्राऊंड फ्लोर, बैरक नं. 1480/1481, सेक्शन 30 बी के पास, सामने हेमलता सोप फैक्ट्री, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीआय010178000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनिल किशिनचंद सिधवा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.5.2018 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राहुल हीरो कल्याणी

आम सूचना

मैं श्रीमती सपना हीरो कल्याणी सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप नं. 3, ग्राऊंड फ्लोर, बैरक नं. 1480/1481, सामने हेमलता सोप फैक्ट्री, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीआय010178000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनिल किशिनचंद सिधवा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.5.2018 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सपना हीरो कल्याणी

आम सूचना

मैं श्री तरुण रोशन दरयाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 5, ग्राऊंड फ्लोर, बैरक नं. 1480/1481, सेक्शन 30 बी, सामने हेमलता सोप फैक्ट्री, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीआय010178000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनिल किशिनचंद सिधवा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.10.2014 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री तरुण रोशन दरयाणी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099